02-08-2023

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान बना शुगर तकनीक का विश्व गुरु

 कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजूदा चीनी मिलों की बढेगी उत्पादकता अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान करने जा रहे हैं-निदेशक नरेंद्र मोहन

आज का कानप्र कानपुर । देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजुदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढाने के लिए कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा हाल ही में संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली शगर गरुप की एक निदेशक ने कहा, हम उन्हें न 2023



चीनी मिल का दौरा किया टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के करने के लिए नवंबर दिसंबर में दक्षता में सुधार के लिए का कटोरा माना जाता था की में केवल इन क्षेत्रों पर, अपितु आएगी इंडोनेशिया के अलावा, मिल के आधुनिकीकरण और हमें मौजूदा चीनी इकाइयों की चीनी उत्पादन की मौजूदा दक्षता और वित्तीय स्थिति में तकनीकी परामर्श देने के लिए प्रक्रिया को परिवर्तित करने के सुधार के लिए बांग्लादेश, लिए अल्पकालिक, मध्यावधि क्यूबा और फिजी से अनुरोध और दीर्घकालिक सिफारिशें प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित मिलों में कार्यरत तकनीक मुल्यवर्धित उत्पादों के प्रदान करने जा रहे हैं। मिल से चीनी मिलों में उत्पादकता कम तकनीकी अधिकारियों को एक है और फिजी चीनी निगम कार्यक्रम भी आयोजित किए द्वारा

अपनी मौजूदा तीन चीनी मिलों संस्थान हमसे संपर्क कर रहा है। पर हस्ताक्षर करने और शीघ्र ही फिजी का दौरा करेगी। संस्थान द्वारा फिजी की चीनी कमियों के लिए प्रशिक्षण

जायेंगे क्यूबा जिसे पहले चीनी चीनी मिलों में मूल्यवर्धित संस्थान की एक टीम एमओयू उत्पादों के उत्पादन के लिए है। इस दिशा में मंत्रालय के सह-उत्पादों के उपयोग की साथ विमर्श करके अग्रिम कमी है और इस प्रकार वे कार्यवाही की जा रही है और चीनी से होने वाले राजस्व तदनुसार हम बांग्लादेश पर ही निर्भर है। विभिन्न स्थित में चीनी कारखानों उत्पादन के लिए संस्थान सुझाए

विविधीकरण के मॉडल को क्यूबा के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया है। क्यूबा की चीनी मिलों से संबंधित संगठन. आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझौता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनों द्वारा अनुमोदित कर लिया गया है पडोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में ज्ञान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में वांछित प्रशिक्षण गए कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण व तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा एनएसआई



तकनीक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे। बयूबा जिसे पहले चीनी का कटोरा

माना जाता था, कि चीनी मिलों में मूल्यवर्षित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-उत्पादों के जरबोग की कमी है और इस प्रकार वे चीनी से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर

है। विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा सुझाए गए विविधीकरण के मौडल को वयूबा के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया है। क्यूबा की चीनी मिलों से संबॉधत संगठन, आस्त्रिआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझौता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसीदा

प्रस्ताव दोनों संगठनों द्वारा अनुमोदित कर लिया गया है।

पहोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीको प्रगति के बारे में ज्ञन को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए

संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करवे अग्निम कार्यवाही की जा रही है औ तदनुसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में वार्डित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कानपुर (नगर छावा समाचार)। देश की सोमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शकर संस्थान, कानपुर कई विदेशी चौनी उत्पादक देशों में मौजूद चौनी मित्तें की उत्पादकता बख़ने के लिए कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तुकनीकी परामश्रं प्रदान करेगा। यह जानकारी पत्रकार वालों के दौरान एनएसआई के निदेशक ने प्रदान को।

कानपर (नगर छावा समाच

हाल ही में, संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली शुगर ग्रुप की एक चीनी मिल का दौरा किया। राष्ट्रीय शकरंर संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों ाचराक न कांध, हम उन्हे न कवला इन कुमे पर, अपितु मिल के आधुनिकीकरण और बोनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए अल्पकालिक, मध्यार्थाध और दीधूंकालिक सिएफारिशें प्रदान करने जा रहे हैं। मिल से तकनीकी अधिकारियों की एक टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर-दिसंबर 2023 में संस्थान आएगी।

इंग्रेनेशिया के अलावा, हमें मौजदा चीनी इकाइयों की दक्षता और विसीय स्थिति में सुधार के लिए बांग्लादेश, बयुवा और फिजों से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजों में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजूदा तीन चीनी मिलों में दखता में सुधार के लिए हमसे संपर्क कर रहा है। संस्थान की एक टीम एमओयू पर हस्ताधर करने और तकनीकी परामर्श देने के लिए श्रीघ्र ही फिजी का दौरा करेगी। संस्थान इस फिजी की चीनी मिलों में कार्यरत

चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण देगा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान



के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया है। क्यूबा की चीनी मिलों से संबंधित संगठन. आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझोता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनों द्वारा अनुमोदित कर लिया गया है।पडोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में जान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और तदनसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपर में वांछित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे निदेशक ने बताया।

दिसंबर 2023 में संस्थान आएगी। इंडोनेशिया के अलावा हमें मौजदा चीनी इकाइयों की दक्षता और वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए बांग्लादेश क्युबा और फिजी से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजुदा तीन चीनी मिलों में दक्षता में सुधार के लिए हमसे संपर्क कर रहा है। संस्थान की एक टीम एमओय पर हस्ताक्षर करने और तकनीकी परामर्श देने के लिए शीघ्र ही फिजी का दौरा करेगी। संस्थान द्वारा फिजी की चीनी मिलों में कार्यरत तकनीक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे। क्यबा जिसे पहले चीनी का कटोरा माना जाता था की चीनी मिलों में मुल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-उत्पादों के उपयोग की कमी है और इस प्रकार वे चोनी से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर हैं। विभिन्न मल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा सुझाए गए विविधीकरण के मॉडल को क्युबा

ब्यरो चीफ विशाल सैनी वीर दृष्टि कानपुर- देश की सीमाओं से परे जाकर राष्टीय शर्करा संस्थान. कानपुर कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजुदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढाने के लिए कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा। हाल ही में संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा को खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली शुगर ग्रुप को एक चीनी मिल का दौरा किया। राष्टीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों पर अपित् मिल के आधुनिकीकरण और चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए अल्पकालिक मध्यावधि और दोर्घकालिक सिफारिशे प्रदान करने जा रहे है। मिल से तकनीकी अधिकारियों की एक टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर



में समय पुष्ठ जागौरात में

प्रशिक्षण के साथ कार्यरोली में मुध्रह के लिए फिलार क्रेजम थे लें। ये मेर केंग ने

नहाजीरिय, ययन, घुटान, नेयान, बोलवा आदि 11 देखें में चीने प्राप्तां देते रहे हैं। अब एक साल में कई खिटेनी चींनी उत्पादक देतों में विवालि प्रदान करने जा रहे है, चीनी पिलो की तत्महजाता कहाने प्रशिक्षण और लड़ानीकी परामर्श भी इतन स्रोध।

बा गजमा भी प्राप्त तोग, जोवि एक 2023 में संस्थान आगरी। फिजी में बारहा, 1 अगरन। अब राष्ट्रीय बडी राजनीय है। मंगलवा को 3 चीने मिलों का अधनिकीकाण कानपर एनएसआई के निरंशक हो, नोंद्र और तकनीको स्थल के लिए (एनामआई) 4 किटेरों को चीने मोलन ने पत्सारों को चतरात कि मामरी सम चकी है और जल्द है मिलों को अध्यमिकीकरण के साथ एनासआई की टीम ने इंडोनेशिय में एमओग महान तेगा। की बांग्लाटेश



एक चीने मिल का देश किया थ माउल अपनने के साथ-साथ ही जिसमें चीनी मिल के चीनें उन्होंन से जहे यह उपाने में। आपनेंबीमरान और चीनें उत्परन, उन्होंन से जहे सुझान व उभानेकी रचि दिखा रही है और जन्द ही एक जहाने के लिए आन्द्रकालिक, মধ্যমাথ এই প্রথমানের जुडी इंजीनिवरिंग, संबन्धिके रूप के जिसमें नहीं को संबन्धीकों के लिएसकनीक कर्मियों को निगुण साले के रोजपार के अवसर अधिवाणिये की रोम एक प्रतिवरण के साथ ही संस्थान को करोड़ी रुपये। प्राप्त करने के लिए नजन्मर-दिसम्बत

(आज मयन्त्र मेन्न) लक्षेत्र times. से सकनीकी दशता प्रदम (करेगा, जिसमें इंडोनेशिय, फिजो, बांग्लादेश और न्यूच

रायमत है। उसमें चर्म जा कटोंग कहा जमें चाला क्यूका पीटी पीनी राजवाली गुपर पुर को बताया कि बैसे ते इजिए, केम्या, एनएमआं के चिनिधिकरण के ममझील लेगा हम 4 देखों में सम्प्रदेने के सान चीनी उसीन मे



मिल का अवलोबान काले एगएमआई के निदेशक मंग्द्र मोहन।

तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा शर्करा संस्थान नगराज दर्पण समाचार

और इस प्रकार वे चीनी से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर हैं। विभिन्न मुल्यवधिंत उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा सुझाए गए विविधीकरण के मॉडल को क्यूबा के चीनी उद्योग द्वारा बहत पसंद किया गया है। क्यूबा की चीनी मिलों से संबंधित संगठन, आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझौता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनों द्वारा अनमोदित कर लिया गया है।पडोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में जान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कमिंयों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और तदनसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में वॉछित प्रशिक्षण



चीनी मिलों में दक्षता में सधार के

लिए हमसे संपर्क कर रहा है।

संस्थान की एक टीम एमओय पर

हस्ताक्षर करने और तकनीकी

परामर्श देने के लिए शीघ्र ही

फिजी का दौरा करेगी। संस्थान

द्वारा फिजी की चीनी मिलों में

कार्यरत तकनीक कमिंयों के लिए

प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित

किए जायेंगे क्यूबा जिसे पहले

चीनी का कटोरा माना जाता था.

कि चीनी मिलों में मुल्यवर्धित

उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-

अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान करने जा रहे हैं। मिल से तकनीकी अधिकारियों की एक टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर-दिसंबर 2023 में संस्थान आएगी इंडोनेशिया के अलावा, हमें मौजुदा चीनी इकाइयों की दक्षता और वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए बांग्लादेश, क्यूबा और फिजी से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजदा तीन उत्पादों के उपयोग की कमी है कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कानपुर । देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजूदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढाने के लिए कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा।

यह जानकारी पत्रकार वातां के दौरान एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने प्रदान की हाल ही में, संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली शुगर ग्रुप की एक चीनी मिल का दौरा किया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों अपित् मिल के पर. आधनिकीकरण और चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए

के इस अत्यन्त रमणीय स्थल पर शिव करें ाउनसे जो मिलना था वह मिल और उन्हें दूर करते - करते स्वयं उपस्थित रहे।

चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण देगा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

दि ज्ञम टहे, कानपर।

I

Ì

ŧ

5

i de

T

ì

7

Ę

ł

(विज्ञाल सैनी, रमेश चंद्र सैनी) देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढाने के लिए कार्यरत तकनीक कमियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा। डाल डी में संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजधाली शगर ग्रंप को एक चोनी मिल का दौरा किया। राष्टीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों पर अपितु मिल के आधुनिकीकरण और चौनी उत्पादन की मौजुदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए अल्पकालिक मध्यावधि

और दीर्घकालिक सिफारिशे प्रदान करने जा रहे है। मिल से तकनीकी अधिकारियों को एक टोम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर दिसंबर 2023 में संस्थान आएगी। इंडोनेशिया के अलावा हमें मौजूदा चोनी इकाइयों की दक्षता और विसीय स्थिति में सुधार के लिए बॉग्लादेश क्यूबा और फिजो से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजदा तीन चीनी मिलों में दक्षता में सुधार के लिए हमसे संपर्क कर रहा है। संस्थान की एक टीम एमओयू पर हस्ताक्षर करने और मिलों में मुल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए तकनीकी परामर्श देने के लिए शीध ही फिजी का सह-उत्पादों के उपयोग की कमी है और इस प्रकार दौरा करेगी। संस्थान द्वरा फिजी की चीनी मिलों में वे चीनी से होने वाले राजस्य पर ही निर्भर है। कार्यरत तकनीक कमिंगों के लिए प्रशिक्षण विभिन्न मुल्यवर्धित उत्पादें के उत्पादन के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे। क्यूबा जिसे संस्थान द्वारा सझाए गए विविधीकरण के मॉडल को पहले चीनी का कटोरा माना जाता था को चीनी क्यूबा के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया



है। क्यबा को चीनी मिली से संबंधित संगठन, आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझोता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनों हारा अनुमोदित कर लिया गया है।पडोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में ज्ञान को उन्तत करने के लिए अपने सेवा कमियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने को

इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्निम कार्यवाही की जा रही है और तदनसार हम बॉग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्कारा संस्थान, कानपुर में चाँछित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे निदेशक ने खताया ।





एनएसआई ने विदेशी सरजमीं पर भारतीय शुगर टेक्नोलॉजी की पताका फहराई

इंडोनेशिया का डेलिगेशन नवंबर दिसंबर माह मे प्रशिक्षण लेने संस्थान आएगा

दैनिक देश मोर्चा संवाददाता मनी वर्मा देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजूदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढाने के लिए कार्यरत तकनीक कमिंगों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा हाल ही में, संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने पोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली . शुगर वरूप की एक चीनी मिल का दौरा किया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों

पर, अपितु मिल के आधुनिकीकरण



और चीनी उत्पादन की मौजुदा 3 प्रक्रिया को परिवर्तित करने के म लिए अल्पकालिक, मध्यावधि और 3 दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान कि करने जा रहे हैं। मिल से तकनीकी स अधिकारियों की एक टीम भी कि एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए व नवंबर-दिसंबर 2323 में संस्थान 3

कर रहा है संस्थान की एक टीम एमओय पर हस्ताक्षर करने और तकनीकी प्रामर्श देने के लिए शीघ ही फिजी का दौरा करेंगी संस्थान दारा फिजी की चीनी मिलों में कार्य तकनीक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे क्यबा जिसे पहले चीनी का कटोरा माना जाता था की चीनी मिलों में मल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-उत्पादों के उपयोग की कमी है और इस प्रकार वे चीनी आएगी इंडोनेशिया के अलावा, हमें से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर मौजूदा चीनी इकाइयों की दक्षता और वित्तीय स्थिति में सुधार के हैं विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा लिए बांग्लादेश, वयुवा और फिजी सुझाए गए विविधीकरण के मॉडल से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में को वयुबा के चीनी उद्योग द्वारा स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता बहत पसंद किया गया है वयबा कम है और फिजी चीनी निगम की चीनी मिलों से संबंधित संगतन अपनी मौजुदा तीन चीनी मिलों में

दक्षता में सुधार के हमसे संपर्क आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझौता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगतनों दारा अनुमोदित कर लिया गया है पडोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तळनीकी प्रगति के बारे में नान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और तदनुसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में वॉछित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे निर्देशक ने बनास।

NSI to provide training to enhance productivity of sugar plants

PIONEER NEWS SERVICE KANPUR

1

Director of National Sugar Natitute (NSI) Prof Narendra Mohan while addressing mediapersons at the institute on Tuesday said moving beyond boundaries of the country, the NSI will impart training of manpower employed and consultancy for productivity enhancement of the existing sugar plants in many overseas sugar produc-ing countries. Addressing presspersons after his return from Indonesia he said the visit was meant to observe the working and suggest measures to be taken for reducing sugar losses during processing, steam and power consumption. He said the NSI is going to provide them short term, mid term and long term recommendations not only on these areas but also to modernise the plant and converting existing process of sugar production. He said officials from Indonesia will arrive at the institute between November and December this year for attending a training

programme. He said in addition to Indonesia the NSI had received requests from Bangladesh, Cuba and Fiji for seeking support of the institute for improving the working and thus financial conditions of the existing sugar units. He said the productivity in Fiji sugar factories was wanting and thus Fiji Sugar Corporation was pursuing NSI for efficiency improvement in their existing three sugar plants. Prof Mohan said to undertake the work a team from the institute was likely to visit Fiji to sign an MoU and take up the work which also included training of manpower. He said sugar factories in Cuba, earlier considered as 'sugar bowl' lacked in utilisation of by-products for producing value-added products and thus depend on revenues from sugar. He said models of diversification suggested by the institute to produce such innovative products had appealed a lot to the Cuban sugar industry, the organisa-tion concerned, ICIDCA, has desired to enter into an MoU

with the institute and for which draft proposal had been approved by both the organisations. He said that the neighbouring country, Bangladesh through Bangladesh Sugar and Food Industries Corporation had also desired to seek institute's support for training of their inservice personnel for upgrad-ing their knowledge about latest technological advancements in the area of sugar processing. He said modalities were being worked out and accordingly NSI will conduct desired training programmes at the site of sugar factories in Bangladesh and at NSL

M E E T I N G : T h e Pensioners' Forum and Retired Employee Pensioners' Association jointly organised a virtual meeting on Tuesday which was chaired by former's general secretary Anand Awasthi. Pensioners' representatives of central/state government, nagar nigam, Jal Kal and Education departments took part in the meeting. Convenor of Pensioners' Association BL Gulabia said the orders issued by the central government for the pensioners were notified by the state government after several days. Thereafter, these orders were released by the nagar nigam, Jal Kal and Education department which take another six months despite the fact that the dearness allowance (DA) payable to all pensioners remained the same. BP Srivastava said there should be no discrimination among pensioners of different departments. It was, therefore, decided that in view of the online facility available in all departments orders of the Central government regarding fixation of the DA be released simultaneously by the respective state government and other departments the same day. Central government pensioners Arunesh Tewari, BP Srivastava, Satya Narain, Vinay Upadhyaya, state government pensioners BL Gulabia, Umesh Singh, Vishnu Pal, Ravindra Kumar Madhur, Ram Rani Katiyar, Vimla Mishra and Sunil Suman, Sushil Sagar, Rajesh Khanna and Hiralal Sharma of Jal Kal Vibhag were present at the meeting.

Link for Digital News

• Kanpur: राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रेस कॉन्फ्रेंस। JK NEWS